

# The Saints

## Introduction

A saint is a follower of Y'HoShUA who has repented of sin, been baptised and received the Mighty One's set apart Spirit. When the Mighty One's set apart Spirit resides in an individual, the fruit of the spirit will be visible in his life. The saints submit themselves to the will of the Mighty One and keep His Commandments. We are living in the world but are looking forward with anticipation for the soon coming Kingdom of the Mighty One on earth.

## The world to come

- v17 The world is passing away **13) 1 Jn 2:15-29**
- v11 These in the world may be One as we are **14) Jn 17:6-19**
- v28 The Son of Man comes in His Kingdom **15) Mt 16:24-28**
- v21 I will grant to sit on My throne **16) Rev 3:14-22**

## Keep His Commandments

- v12 Keep the Commandments of the Mighty One **9) Rev 14:6-13**
- v15 If you love Me, keep **10) Jn 14:15-21**
- v24 He who keeps His Commandments abides in Him **11) 1 Jn 3:18-24**
- v4 Who does not keep His Commandments is a liar **12) 1 Jn 2:1-6**

## Submit to Mighty One

- v7 Submit to the Mighty One **7) Jas 4:1-10**
- v3 Have not submitted to the Mighty One **8) Ro 10:1-4**

## Saints

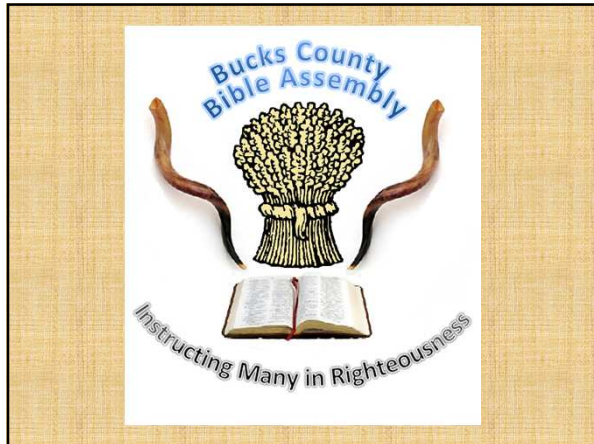
- v2 Called Saints **1) 1 Cor 1:1-3**
- v12 for the equipping of the saints **2) Eph 4:11-16**

## Receive the Spirit

- v38 Repent and be baptised **3) Ac 2:37-39**
- v6 The set apart Spirit came upon them **4) Ac 19:1-10**

## Fruit of the Spirit

- v22 The fruit of the Spirit is **5) Gal 5:16-26**
- v9 the fruit of the Spirit **6) Eph 5:8-14**



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---



---

---

---

**1 Corinthians 1:1-3**

V4 - To the church of the Mighty One which is at Corinth, **to those who are sanctified in Messiah Y'HoShUA , called (to be) Saints,** with all who in every place call on the name of Y'HoShUA Messiah our Master, both theirs and ours: (NKJV)



---

---

---

---



---

---

---

---

**Ephesians 4:11-16**



---

---

---

---

---



---

---

---

**Ephesians 4:11-16**

V12 - For the **perfecting of the saints, for the work of the ministry, for the edifying of the body of Messiah:**



---

---

---

---



---

---

---

---

**Acts 2:37-39**



---

---

---

---

---



---

---

---

**Acts 2:37-39**

V38 - Then Peter said unto them, **Repent, and be baptized every one of you in the name of Y'HoShUA Messiah for the remission of sins, and ye shall receive the gift of the Ruach HaKodesh.**



---

---

---

---



---

---

---

---

**Acts 19:1-10**



---

---

---

---

---

---

---

---

## Acts 19:1-10

V6 - And when Paul had laid his hands upon them, the Ruach HaKodesh came on them; and they spake with tongues, and prophesied.



---

---

---

---

---

---

---

---

## Galatians 5:16-26



---

---

---

---

---

---

---

---

## Galatians 5:16-26

V22-23 - But the fruit of the Spirit is love, joy, peace, longsuffering, gentleness, goodness, faith, meekness, temperance: against such there is no law.



---

---

---

---



---

---

---

---

**Ephesians 5:8-14**



---

---

---

---

---



---

---

---

**Ephesians 5:8-14**

V9 - For the fruit of the Spirit is in all goodness and righteousness and truth



---

---

---

---



---

---

---

---

**James 4:1-10**



---

---

---

---

---

---

---

---

### James 4:1-10

V7 - Submit yourselves therefore to the Mighty One.  
Resist the devil, and he will flee from you



---

---

---

---

---

---

---

---

### Romans 10:1-4



---

---

---

---

---

---

---

---

### Romans 10:1-4

V3 - For they being ignorant of the Mighty One's  
righteousness, and going about to establish their own  
righteousness, **have not submitted themselves unto  
the righteousness of the Mighty One.**



---

---

---

---

---

---

---

---

**Revelation 14:6-13**



---

---

---

---

---

---

---

---

**Revelation 14:6-13**

V12 - Here is **the patience of the saints: here are they that keep the commandments of the Mighty One, and the faith of Y'HoShUA.**



---

---

---

---



---

---

---

---

**John 14:15-21**



---

---

---

---

---

---

---

---



## John 14:15-21

V15 - If ye love me, keep my commandments



---

---

---

---

---

---

---

---

## 1 John 3:18-24



---

---

---

---

---

---

---

---

## 1 John 3:18-24

V24 - Now he who keeps His commandments abides in Him, and He in him. And by this we know that He abides in us, by the Spirit whom He has given us.  
(NKJV)



---

---

---

---



---

---

---

---

**1 John 2:1-6**



---

---

---

---

---



---

---

---

**1 John 2:1-6**

V4 - He that saith, I know him, and keepeth not his commandments, is a liar, and the truth is not in him.



---

---

---

---



---

---

---

---

**1 John 2:15-29**



---

---

---

---

---

---

---

---

# 1 John 2:15-29

V17 - And the world passeth away, and the lust thereof: but he that doeth the will of God abideth for ever.



---

---

---

---

---

---

---

---

# John 17:6-19



---

---

---

---

---

---

---

---

# John 17:6-19

V11 - And now I am no more in the world, but these are in the world, and I come to thee. Set Apart Father, **keep through thine own name those whom thou hast given me, that they may be one, as we are.**



---

---

---

---



---

---

---

---

**Matthew 16:24-28**



---

---

---

---

---



---

---

---

**Matthew 16:24-28**

V28 - Verily I say unto you, There be some standing here, which **shall not taste of death, till they see the Son of man coming in his kingdom.**



---

---

---

---



---

---

---

---

**Revelation 3:14-22**



---

---

---

---

---

---

---

---

## Revelation 3:14-22

V21 - To him that overcometh will I grant to sit with me in my throne, even as I also overcame, and am set down with my Father in his throne.



---

---

---

---

---

---

---

---

## Tomorrow's Message

**The Day of Pentecost**

**Services Start at 11:30 am**



---

---

---

---

---

---

---

---